प्रक्रिया

- विद्यालय प्रबन्धन समिति की देखरेख में प्रार्थना सभा के तुरन्त पश्चात दूध तैयार कर उपलब्ध कराया जा रहा है।
- छात्र / छात्राओं को दूध उपलब्ध कराने का उत्तरदायित्व विद्यालय प्रबन्धन समिति का है।
- राजस्थान राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन से प्राप्त पाउडर मिल्क का भुगतान 400 रुपए प्रति किलो की दर से किया गया है।
- विद्यार्थियों को दूध पिलाये जाने से पूर्व एक अध्यापक व एक विद्यार्थी के अभिभावक / एस.एम.सी. के सदस्य द्वारा पोषाहार की भांति दूध को चखा जाता है।

अब तक

कक्षा 1 से 8 तक के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत 69.22 लाख विद्यार्थियों को निःशुल्क दूध उपलब्ध।

अधिक जानकारी के लिए 181 पर कॉल करें या
https://jankalyan.rajasthan.gov.in पर विजिट करें

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

#मॉडल_स्टेट_राजस्थान

4 वर्ष

जनसेवा, सबका सम्मान
आगे बढ़ता राजस्थान
सेवा ही कर्म, सेवा ही धर्म

मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना

स्टेट फ्लैगशिप कार्यक्रम

परिचय

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए की गयी बजट घोषणा अनुसार मिड डे मील योजना में और पौष्टिकता में सुधार की दृष्टि से मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना के तहत राजकीय विद्यालयों एवं मदरसों के विद्यार्थियों को सप्ताह में दो दिवस (मंगलवार एवं शुक्रवार) पाउडर मिल्क से तैयार दूध 29 नवम्बर, 2022 से उपलब्ध कराया जा रहा है। उक्त पाउडर मिल्क राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड द्वारा विद्यालयों तक डोर स्टेप आपूर्ति की गई है।

योजना के क्रियान्वयन एवं संचालन के लिये 476.44 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

इस योजना से नामांकन व उपस्थिति में वृद्धि होगी।

ड्राप आउट रोकने में मदद मिलेगी। विद्यार्थियों के पोषण स्तर में वृद्धि होगी व आवश्यक मैक्रो व माइक्रो न्यूट्रिएन्टस की पूर्ति होगी।

पात्रता

राजकीय विद्यालय (संस्कृत विद्यालय सहित) एवं मदरसों में अध्ययनरत कक्षा 1 से 8 के विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा के तुरन्त पश्चात पाउडर मिल्क से तैयार दूध उपलब्ध कराया जाता है।